



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 18] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 30, 1994 (वैशाख 10, 1916)
No. 18] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 30, 1994 (VAISAKHA 10, 1916)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधिवत नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	367
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	393
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	—
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	747
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—
भाग II—खण्ड 1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रकर पत्रियों के बिल तथा रिपोर्ट	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सब शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिसमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सब शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (सब शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित हुए हैं)	*
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांख्यिक नियम और आदेश	*
भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निरन्तर और महान्यायाधीश न्याय मंडल मंत्रा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	405
भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई रेली और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	377
भाग III—खण्ड 3—पुस्तक आवृत्तों के प्राधिकार के अधीन प्रयत्न द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग III—खण्ड 4—विशेष अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक निष्ठाओं द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश विचारों और नोटिस शामिल हैं	2569
भाग IV—नैतिकता संबंधी और नैतिक-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विचारों और नोटिस	63
भाग V—अप्रेको और हिन्दी भाषा में जन्म और मृत्यु के प्रमाणों को दर्शाने वाला प्रमाणपत्र	*

*पृष्ठों का प्राप्त नहीं हुए

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	367	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	•
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	393	PART II—SECTION—4 Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	•
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.	”	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	405
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	747	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	377
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	•	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	”
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	•	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2569
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	•	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private bodies.	63
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	•	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi.	•
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	•		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1994

सं 11012/1/94-आई० ई० एस०—भारतीय अर्थ सेवा में ग्रेड-4 की रिक्तियों को भरने के लिए 1994 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण सरकार द्वारा यथा निर्धारित रूप में किया जाएगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. उम्मीदवार को या तो :—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा निर्याती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी 1962 से पहले भारत आ गया हो, या
- (ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्री लंका, कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया (पूर्वी अफ्रीकी देशों) के पूर्वी अफ्रीकी देशों जाम्बिया, मालावी, जेरे तथा इथियोपिया और वियतनाम से प्रवृजन कर आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है, किन्तु भारत सरकार द्वारा उसके संबंध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिये जाने के बाद ही उसको नियुक्ति प्रस्ताव भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1994 को 21 वर्ष पूरी हो किन्तु 28 वर्ष न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1966 से पहले और 1 जनवरी, 1973 के बाद का न हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (2) यदि उम्मीदवार कुवैत या इराक से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो जो इन देशों में से किसी देश से 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले प्रवृजन कर चुका हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और कुवैत या इराक से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो जो इन देशों में से किसी देश से 15 मई, 1990 के बाद लेकिन 22 नवम्बर, 1991 से पहले प्रवृजन कर चुका हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (4) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांति-ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कर्मिक को अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (5) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांति-ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किए गए ऐसे

रक्षा कार्मिकों के लिए जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।

- (6) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1994 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न हो कर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त होने पर कार्यमुक्त हुए हैं) इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1994 से एक वर्ष के अंदर पूरा होना है (2) या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक ।

- (7) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1994 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर, बर्खास्त न हो कर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त होने पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1994 से एक वर्ष के अंदर पूरा होना है या (2) सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या (3) अशक्तता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हैं, उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक ।

- (8) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में, जिन्होंने 1 जनवरी, 1994 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और ध्यान देने पर नियुक्ति प्रस्ताव होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष ।

- (9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में, जिन्होंने 1 जनवरी, 1994 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और ध्यान देने पर नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त होने की

तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष ।

टिप्पणी 1 : भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथासंशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा तथा पदों में पुनर्रोजगार) नियम, 1979 में परिभाषित किया गया है ।

- 2 : नियम 5(ख)(2) से 5(ख)(9) के अंतर्गत आने वाले वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति से सम्बद्ध नहीं हैं यदि उन्होंने आयु छूट प्राप्त करने के बाद सिविल क्षेत्र में कोई सरकारी नौकरी पहले से ही ले ली है, तो वे आयु सीमा में छूट के लिए पात्र नहीं हैं ।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जायेगी ।

6. भारतीय अर्थ सेवा के लिए उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम, द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की अर्थशास्त्र या सांख्यिकी विषय सहित डिग्री होनी चाहिए अथवा उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए ।

टिप्पणी-1 : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है, पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है । जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठता चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है । ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा । परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में उनका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा । उक्त प्रमाण विस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परीणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, साथ प्रस्तुत करना होगा ।

टिप्पणी 2 : विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो बशर्त कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है ।

टिप्पणी 3 : जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर

सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी।

8. सभी उम्मीदवार जो सरकारी नौकरी में आकस्मिक या वैनिक बरकर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य-प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं अथवा जो सरकारी उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिचयन (अंशटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोजता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से संबंधित अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा। उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. किसी उम्मीदवार का आवेदन स्वीकार करने और परीक्षा में प्रवेश के लिए उसकी योग्यता या अयोग्यता के सम्बंध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छुपाया हो, अथवा
- (6) परीक्षा में उम्मीदवारी के संबंध में किन्हीं अन्य अनियमित, अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (8) उत्तर-पुस्तिकाओं का असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा

(10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा

(11) उम्मीदवारों को भेजे गए परीक्षा की अनुमति विषयक प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अनुदेशों का उल्लंघन किया है, अथवा

(12) पूर्वोक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवप्रेरित करने का प्रयास किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे —

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(1) आयोग द्वारा लो जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवर्जित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाई दी जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे तो उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मानुसार अनु-सूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों, इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाये जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंको के आधार पर योग्यता क्रम से उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है।

(2) आयोग अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों की सिफारिश, आरक्षित रिक्तियों की संख्या की सीमा, में योग्यताक्रम सूची में छूट देकर कर सकता है, बशर्ते कि वे आयोग द्वारा निर्धारित मूल न्यूनतम अपेक्षाएं पूरी करते हों।

परन्तु, उपर्युक्त नियम 13 (1) के अनुसार योग्यताक्रम के आधार पर भर्ती किए गए अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवार उन रिक्तियों के लिए समायोजित नहीं किए जाएंगे जो अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित हैं।

(3) किसी भी अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक स्तर में छूट देकर आयोग द्वारा उनकी अनुशंसा की जा सकती है बशर्ते कि वे उम्मीदवार सेवा में चयन के लिए उपयुक्त हों।

परन्तु, उपर्युक्त नियम 13 (1) के अनुसार योग्यताक्रम के आधार पर भर्ती किए गए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार उन रिक्तियों के लिए समायोजित नहीं किए जाएंगे जो अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा, आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद सन्तुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य हैं।

16. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलता पूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरी नहीं कर सकता तो नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा कराई जा सकती है।

टिप्पणी :—कहीं निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा ले। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार की किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए। इसके व्यतिरिक्त इन नियमों के परिशिष्ट-3 में दिये गए हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त हुए सैनिकों को सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

17. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया हो, जिसका पहले जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात के संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से जिस सेवा के संबंध में भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट 2 में दिया गया है।

एस० नायक,

उप आर्थिक सलाहकार निदेशक

परिशिष्ट - 1

परीक्षा की रूप रेखा खण्ड-I

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग 1—नीचे दिखाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग 2—आयोग द्वारा जिस उम्मीदवार को बुलाया जाता है उनके लिए मौखिक परीक्षा जिसके पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग 1- के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है :—

1. सामान्य अंग्रेजी	01	150	3 घंटे
2. सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3. सामान्य अर्थशास्त्र-I	11	200	3 घंटे
4. सामान्य अर्थशास्त्र-II	12	200	3 घंटे
5. भारतीय अर्थशास्त्र	13	200	3 घंटे

नोट:— परीक्षा के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यचर्या का विवरण नीचे खण्ड-II के दिए गए हैं ।

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्र परंपरागत (निबंध) प्रकार के होंगे ।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखने चाहिए । प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में होंगे ।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे । उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

6. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है ।

7. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हो तो उसको मिलाने वाले कुल अंकों में से कुछ अंक काट लिए जाएंगे ।

8. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे ।

9. कम से कम शब्दों में सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यंजना को श्रेय दिया जाएगा ।

10. प्रश्न-पत्रों में जहां आवश्यक हो तोलों और मापों की केवल मीट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे ।

11. उम्मीदवारों को बैटरी से चलने वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है । परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है ।

12. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6, आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए ।

13. मौखिक परीक्षा — उम्मीदवार का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का सर्वांगीय जीवनवृत्त होगा

साक्षात्कार का उक्त सेवा के लिए उम्मीदवार की उपयुक्तता जांचना होगा । साक्षात्कार उम्मीदवार की सामान्य तथा विशिष्ट ज्ञान के परीक्षण तथा क्षमता को जांचने के लिए लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा ।

उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याभ्यन के विशेष विषयों में ही सुष्ठु-बुद्ध के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में रुचि लेते हों, जो उनके घरों और अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही है तथा आधुनिक विचार-धाराओं और उन नई खोजों में रुचि ले जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है ।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं अपितु, स्वाभाविक निर्देशित और प्रयोजन युक्त वार्तालाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति को अभिव्यक्त करना है । बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों को मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक सतर्कता सामाजिक सतर्कता संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा ।

खण्ड -2

परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम

सामान्य अंग्रेजी सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे । अन्य विषयों के प्रश्न पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री परीक्षा के समकक्ष होंगे उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धान्त को तथ्य के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धान्त की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें । अर्थशास्त्र और सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं के विशेष रूप से परिचित हों ।

सामान्य अंग्रेजी (कोड सं० 01)

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंग्रेजी निबंध लिखना होगा अन्य प्रश्न इस प्रकार से पूछे जाएंगे कि जिससे अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के कार्य सार्थक प्रयोग की जांच हो सके । संक्षेपण अथवा सारलेखन के लिए सामान्यतः गद्यांश दिए जाएंगे ।

सामान्य अध्ययन (कोड सं० 02)

सामान्य ज्ञान जिसमें सामयिक घटनाओं का ज्ञान तथा दैनिक अनुभव की ऐसी बातों का वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान भी सम्मिलित है जिसकी किसी शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो । इस प्रकार प्रश्न-पत्र में देश की राजनीति

प्रगति के बिना भारत का राज व्यवस्था और भारत का संविधान, भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिसका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए।

सामान्य अर्थशास्त्र-I (कोड सं० 11)

उपभोक्ता की मांग का सिद्धान्त तटस्थ वक्र, विश्लेषण प्रकटअभिमानता अभिगम।

उत्पादन का सिद्धान्त : उत्पादन के तत्त्व, उत्पादन कृत्य, प्रतिक्रिया के नियम, प्रतिष्ठान और और उद्योग का संतुलन।

मूल्य का सिद्धान्त: विपणन व्यवस्था के विभिन्न रूपों में मूल्य निर्धारण सार्वजनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण का सिद्धान्त: उत्पादन के तत्त्वों का मूल्यन, भाड़ा, मजदूरी ब्याज और लाभ के सिद्धान्त, विशाल वितरण सिद्धान्त, संकलन समस्या, आय वितरण में असमानताएं।

कल्याण मूलक अर्थशास्त्र : प्राचीन और नवीन कल्याण मूलक अर्थशास्त्र, क्षतिपूर्ति नियम, क्षतिमूलक ग्रंथिया।

राष्ट्रीय आय की अवधारणा : सामाजिक लेखा नियोजन का सिद्धान्त निषेध और मुद्रास्फिति, शास्त्रीय और नवशास्त्रीय अभिगम नियोजन के बारे में कीन्स का सिद्धान्त और कीन्स के बाद की गतिविधियां।

सामान्य अर्थशास्त्र-II (कोड सं० 12)

अर्थिक विकास की अवधारणा और उसका मापन। विकास के सिद्धान्त।

विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएं। जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास।

आयोजन : अवधारणा और पद्धतियां, आर्थिक संगठन की पूंजीवादी और समाजवादी प्रणालियों के अंतर्गत आयोजन मिश्रित अर्थ व्यवस्था में आयोजन, परिदृष्ट्यात्मक आयोजन क्षेत्रीय आयोजन, निवेश के निर्धारण और प्रविधियों के चयन :

अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त, व्यापार से लाभ, व्यापार की शर्तें व्यापार नीति अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास, व्यापार शुल्क पद्धति के सिद्धान्त।

भुगतान संतुलन : भुगतान संतुलन में असमानताएं समंजन की प्रक्रिया, विदेश व्यापार, विनियम की वरें, आयात और विनियम नियंत्रण

आई० एम० एफ० और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रण सुधार : जी० ए० टी० टी०, आर्थिक विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहायता आई० बी० आर० डी० और उसके अनुबन्ध।

मुद्रा : उसका मूल्य और प्रयोजन, मुद्रा नीति केन्द्रीय और वाणिज्य बैंकों के कार्य।

रोजकोषीय नीति और उसके लक्ष्य : कराधान और व्यय के सिद्धान्त, सार्वजनिक व्यय के लक्ष्य और प्रभाव, कराधान का प्रभाव और घटक, घाटे की वित्त व्यवस्था, सार्वजनिक ऋण का सिद्धान्त।

अर्थशास्त्र सांख्यिकी का प्रयोग, सांख्यिकीय श्रौतों और विक्षेपण के माप, मूल्यों और परिमाणों के सूचकांक --उनकी सीमाएं।

भारतीय अर्थशास्त्र (कोड सं० 13)

भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी लक्षण, विकास तंत्र : कृषि और उद्योग की भूमिका, विदेश व्यापार की भूमिका, संतुलित विकास की अवधारणा।

आयोजन : उद्देश्य, प्राथमिकताएं और समस्याएं, पंच वर्षीय योजनाएं, संसाधन जुटाव की समस्या।

कृषि : नया कृषि तंत्र --, भूसंबंध और भू सुधार, देहाती साख सिंचाई और उर्वरकों का स्थान--, कृषि विपणन, कृषि उत्पादों के मूल्यों, फसल आयोजन, समुदायीक विकास, उपजीविका और ग्रामोद्योग।

सहकारिता : ग्रामीण विकास में इनका स्थान, भारत में सहकारी आन्दोलन का विकास।

उद्योग : औद्योगिक विकास की प्रक्रिया स्थल निर्देश की समस्या, वृहदाकार और लघु उद्योग की समस्याएं, औद्योगिक नीति औद्योगिक संपदाएं, औद्योगिक वित्त के संसाधन, विदेशी पूंजी की भूमिका, सार्वजनिक उद्यम, संगठन प्रबन्ध नियंत्रण और समर्थनीयता, मूल्य नीति।

श्रम : रोजगार बेरोजगारी और कम रोजगारी, औद्योगिक संबंध और श्रम कल्याण, श्रम नीति, मजदूरी, मूल्य और आय नीति।

विदेश व्यापार : भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख विशेषताएं, विदेशी व्यापार नीति, राज्य व्यापार, भुगतान संतुलन।

मुद्रा और बैंकिंग : भारतीय मुद्रण विपणन का संगठन-- वाणिज्यिक बैंकों और भारतीय रिजर्व बैंक की कार्यप्रणाली मुद्रा नीति

सार्वजनिक वित्त : वित्तीय नीति, सार्वजनिक व्यय की वृद्धि, कराधान नीति संघ और राज्य सरकारों के लिए राजस्व के प्रमुख स्रोत, सार्वजनिक ऋण नीति, घाटे की वित्त व्यवस्था संघ और राज्य के बीच वित्तीय संबंध

परिशिष्ट-2

इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्योरा :

1. जो उम्मीदवार इस सेवा के लिए सफल होंगे उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड-4 में परिवीक्षा के आधार पर क

जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी और इस अवधि को घटाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पाम करती होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशलता की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

3. परीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियां उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जाएगा।

5. जिन सेवाओं के लिए भर्ती की जाती है उनके लिए निर्धारित वेतनमान निम्न प्रकार है :—

भारतीय अर्थ सेवा

एस०ए०जी०	आर्थिक सलाहकार/	रु०
	अपर आर्थिक सलाहकार	5900-200-6700
ग्रेड-I निदेशक		
(ग्रेड-II अबसे ग्रेड-I में शामिल हुआ है)		3700-125-4700-150-5000 रु०
ग्रेड-III उप निदेशक		3000-100-3500-125-4500 रु०
ग्रेड-IV सहायक निदेशक		2200-75-2800-द०रो०-100-4000 रु०

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड-4 में पदोन्नति समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय अर्थ सेवा नियमों के उपबन्धों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा उसको किसी राज्य सरकार या गैर-सरकार संगठन में निश्चित अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. इस सेवा के अधिकारियों की सेवा की शर्तें तथा छुट्टी तथा पेंशन इत्यादि अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं ग्रुप "क" के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगी।

8. भविष्य निधि की शर्तें वही हैं जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों की शर्त के साथ जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

परिशिष्ट-3

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

(ये विनियम उम्मीदवारों की मुविधा के लिए प्रकाशित किए जाने हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे आक्षेप शारीरिक स्वर के हैं या नहीं? ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षा (मेडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं।

भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षापूर्वक काम करने में बाधा पाने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लोइंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवार को परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में किरणता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जाएगा— वह अपने जूते उतार देगा और उस मापदण्ड (स्टैंडर्ड) से, इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन मित्राण एडियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ें सीधा खड़ा होगा और उसकी पैड़ियां, पिडलियां, निमख और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टिकल आफ दी हैड लेबल) हारिजेंटल बार (फ्राई छड़) के नीचे आ जाए। कद मैटोमीटरों और सीधे मैटोमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है— उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा ताकि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा अमफनक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणो (इन्फीरियर ऐंगल) से लगा और फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी घाई समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचा किया जाएगा और उन्हें जगह के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाये। तब उम्मीदवार को कई बार गह्रा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा।

और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि माप का रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटरों से कम से कम के भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट:—अंतिम निर्णय करने में पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापनी चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्राम में रिकार्ड किया जाएगा। आधे किलोग्राम से कम के फ्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) चश्में के बिना नजर (नैकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिटेड) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में, मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल अधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) चश्मे के साथ चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख	अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख
6/9	6/9 या		
6/9	6/12	जे०-I	जे०-II

(घ) मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक दशा हो जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र में सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि (कन्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पैरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतौधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—साधारणतया रतौधी दो प्रकार की होती है (1) बिटामिन “ए” की कमी के कारण और (2) रेटिना के शरीर रोग के कारण जिसकी आम वजह रेटिनिटिस पिगमेंटीसा होती है। उपर्युक्त (1) में फंडस की स्थिति सामान्य होती है साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों

और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में बिटामिन “ए” के खाने से ठीक हो जाती है ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फण्डस की परीक्षा में ही स्थिति का पता चलना है। इस श्रेणी का रोगी प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अंधेरा अनुकूलन परीक्षा में स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेषतया जब फण्डस ना हो तो इलेक्ट्रोरेटीनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अंधेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी) में समय अधिक लगता है। और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है। इसलिए साधारण चिकित्सा जांच से इसका पता संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रतौधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या हैं और उनकी ड्यूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडीशन) :—

(1) आंख की उस बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) का जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्यता का कारण मना जाना चाहिए।

(2) भ्रंशापन (स्क्विट) : तकनीकी सेवाओं में जहां द्विनेत्री (बाइनोक्यूलर) दृष्टि अनिवार्य हो दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भ्रंशापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भ्रंशापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(3) एक आंख : यदि किसी व्यक्ति की एक आंख अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य हो और दूसरी आंख की मन्द दृष्टि हो अथवा अप सामान्य दृष्टि हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरा बोझ हेतु विविध दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई मिलिल पदों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को त्रिकित्ता बोर्ड योग्य मानकर अनुगणित कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य आंख :

(1) की दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे० I का चश्मा लाकर अथवा उसके बिना हो बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मेरिडियन में त्रुटि 4 डायोप्टर्स से अधिक न हो।

(2) की दृष्टि का पूरा श्वेत हो।

(3) की सामान्य रंग दृष्टि जहाँ अपेक्षित हो।

बशर्ते कि बोर्ड का यह समाधान हो जाए कि उम्मीदवार प्रश्नाधीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टेक्ट लेंस—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टेक्ट लेंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आंख की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाइप किए गए अक्षरों का उदभासन 15 फुट की ऊंचाई के प्रकाश से हो।

7. ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम फिजिकल प्रेशर के मापन का काम चलाई विधि नीचे दी जाती है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा आयु से अधिक व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा आयु होता है।
- (2) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर आकलन करने में 110 में आधी आयु जोड़ देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर की ओर 90 एम० एम० में अवर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को योग्य/अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर वृद्धि थोड़ी समय रहती है या उसका कारण कोई कायिक (आर्गेनिक) बीमारी है? ऐसे सभी केसों में हृदय कोएक्स-रे और विद्युत हृदयलेखी (इलेक्ट्रो कार्डिोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निवास (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारे वाले दबावमापी (मर्करी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेष कर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए। भुजा पर से कन्धे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रखकर और इसके नीचे किनारे की कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े को पट्टी

को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूलकर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगट धमनी (वेकिअल आर्टरी) को दबा-दबाकर बूँडा जाता है तब तक इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथेस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इससे धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की श्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां ध्वनि तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी बनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाएं, वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए। क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकार होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करना जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाये। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दबा गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं) इस साइलेट गैज से रीडिंग में गनती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शर्करा का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के छोटक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लूकोसरिया) के सिवाए, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह मधुमेही (नान डायबिटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों, मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिक या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की “फिट” या “अनफिट” की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा अधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टीशनर से आरोग्यता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाणपत्र के लिए उसको फिर से स्वास्थ्य की परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कान की कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के हस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जानी है :—

1. एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन दूसरा कान सामान्य होगा। यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसीबल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।
2. दोनों कानों में बहरापन या प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रव्य यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसीज में बहरापन 30 डेसीबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य है।
3. सेंट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिम्पेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र।
 - (1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिम्पेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर आयोग्य।
कान की शल्य-चिकित्सा की स्थिति सुधारने में दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4 (II) के अधीन विचार किया जा सकता है।
 - (2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर आयोग्य।
 - (3) दोनों कानों में सेंट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।
4. कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड केविटी से सबसे नार्मल श्रवण
 - (1) किसी एक कान के सामान्य रूप के एक ओर से मस्टायड केविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सबनार्मल श्रवण वाले कान/ मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी

दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।

(2) दोनों ओर से मस्टायड केविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवणयंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।

5. बहते रहने वाला कान आपरेशन किया या/बिना आपरेशन वाला। तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी प्रकार रूप से अयोग्य।
6. नासापट की हड्डी संबंधी विसमताओं (बोनी डि-फारमिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलर्जिक दशा।
 - (1) प्रत्येक मामले में परिस्थितियों के अनुसार निर्णय किया जाएगा।
 - (2) यदि लक्षणों सहित नासापट अफसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
7. टॉसिलस और/या स्वरयंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा।
 - (1) टॉसिलस और/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य।
 - (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
8. कान, नाक, गले (ई० एन०टी०)।
 - (1) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य।
 - (2) दुर्दैम्य ट्यूमर अयोग्य।
9. आस्टैक्लिरोसिस श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबल के अन्दर होने पर योग्य।
10. वान, नाक अथवा गले के जन्म जात दोष।
 - (1) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य।
 - (2) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।

11. नेजल पोलो। अस्थायी रूप से अयोग्य।
 - (ब) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
 - (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फँसती है या नहीं उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं ।
- (ङ) उम्र पेट की बीमारी है या नहीं ।
- (च) उम्र रक्तचर है या नहीं ।
- (छ) उम्र हाईड्रोमील, बर्छी हुई बेरिर्कोसिल, बेरिकाजशिरा (बन) या बवासीर है या नहीं ।
- (ज) उसके श्रगा, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रन्थियां भली-भांति स्वतंत्र रूप में हिलती हैं या नहीं ।
- (झ) उम्र काई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं ।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं ।
- (ट) उम्र में किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिसमें कमजोर गठन का पता लगे ।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।
- (ड) उम्र कोई संचारी (कम्युनिकेबल) रोग है या नहीं ।

11 दिल और फेफड़ा की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नियमित रूप से छाती की एकम-रे परीक्षा की जानी चाहिए ।

सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जहाँ कहीं संदेह हो तबिक भाई का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय लिए जाने के प्रश्न पर किसी उम्मीदवार को विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है उसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक दृष्टि अथवा विषयन (एक्जेशन) से पीड़ित होने का संदेह हो तो भाई का अध्यक्ष अस्पताल में किसी मनोविक्रम विज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है ।

जब कोई रोग मिले तो उम्र प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए । मेडिकल परीक्षक का अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित क्षमतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं ।

12 मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार रु० 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है । यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों का वापस मिलेगा जो अपील की स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जाएंगे शेष दूसरों के बारे में यह ज्ञान कर लिया जाएगा । यदि उम्मीदवार चाहें तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र सलग्न कर सकते हैं । उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिए अन्यथा अपील की स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा । अपील की स्वास्थ्य

परीक्षा बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में होगी और स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की गयी यात्रा के लिए कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा । अपील के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्ति हान पर अपील की स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रवक्ता के लिए वित्त मन्त्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षा के मार्गदर्शन के लिए निर्दिष्टित सूचना दी जाती है —

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल यदि हो, के लिए उचित गुणाई रखनी चाहिए ।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती कर लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टेंट अथॉरिटी) का यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उम्र सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो ।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य में भी उठना ही सम्भव है जितना कि वर्तमान में है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अक्षम मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अदायगी का रोचना है । साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को जम्बाकृत करने की सलाह उम्र हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो ।

बोर्ड में सामान्यतः तीन सदस्य होंगे (1) एक कार्य चिकित्सा (2) एक शल्य चिकित्सक और (3) एक नेव चिकित्सक । ये सभी यथासंभव साध्य समान स्तर के होने चाहिए । महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा ।

भारतीय अर्थ सेवा उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी । इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप में रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा में (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं । डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए ।

ऐसे मामले में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताया जा

सकते हैं। किन्तु डाक्टरों बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरों बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वह डाक्टरों बोर्ड द्वारा इस अणय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टर बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारण तया कम से कम 6 महीने से कम नहीं होनी चाहिए। विरहित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मैडिकल परीक्षा में पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

1. अरता पूरा नाम लिखें.....
(माफ अक्षरों में)
2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं.....
3. (क) क्या अनुसूचित जाति या गोरखा, गढ़वाली, अममिया, नागलैंड जनजाति आदि में से किसी जाति में प्रभावित है जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है 'हां' या 'नहीं' में उत्तर लिखिए।
उत्तर 'हां' में तो उस जाति का नाम बताएं।

(ख) क्या आपको कभी चेचक रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीन पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिन की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रुमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है।

अथवा

(ख) दूसरी कोई बीमारी या दुघटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मैडिकल या मैजिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. क्या आपको अधिक काम या दूसरे किसी कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वनेस) हुई है?

5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें :—

यदि पिता मृत्यु के समय आपके कितने	आपके कितने
जीवित हो तो पिता की आयु	भाई जीवित भाइयों की मृत्यु
उनकी आयु और मृत्यु का	है उनकी आयु चुकी है उनकी
और स्वास्थ्य कारण	और स्वास्थ्य आयु और मृत्यु
की अवस्था	की अवस्था का कारण

यदि माता मृत्यु के समय आपकी कितनी	आपकी कितनी
जीवित हो तो माता की आयु	बहने जीवित बहनों की मृत्यु हो
उनकी आयु और मृत्यु का	है उनकी आयु चुकी है मृत्यु
और स्वास्थ्य कारण	और स्वास्थ्य समय उनकी
की अवस्था	की अवस्था आयु और मृत्यु
	का कारण

6. क्या हमारे पहले मैडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

7. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' में हो तो बताइए किम सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी।

8. परीक्षा देने वाला प्राधिकारी कौन था?

9. कब और कहा मैडिकल बोर्ड हुआ?

10. मैडिकल बोर्ड को परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया है अथवा आरको मालूम है।

मे घोषित करता हूं कि जहां तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर.....

मेरे सामने हस्ताक्षर किए.....

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर.....

नोट :— उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेवार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने में वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्षिक नियुक्ति भत्ता (सुपर-एनुएशन अलाऊंस) या प्रदान (ग्रेजुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

..... (उम्मीदवार का नाम) को शारीरिक परीक्षा की मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास..... अच्छा..... बीच का
..... कम कम पावण : पतला
..... औसत मोटा
कद जूने उतार कर वजन

अल्पतम वजन कब था ?

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन

तापमान

छाती का घेरा

(1) पूरा सांस खींचने पर

(2) पूरा सांस निकालने पर

2. रक्तचाप कोई जाहिर बीमारी

3. नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) रतौंधी

(3) कलर विजन का दोष

(4) दृष्टि नेत्र (फील्ड आफ विजन)

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)

(6) फण्डस की जांच

दृष्टि की चष्मे के बिना चष्मे से चष्मे की क्षमता तीक्ष्णता

गोल बटूल एक्सिस

दूर की नजर दा. ने०

बा० ने०

पाम की नजर दा० ने०

बा० ने०

4. कान : निरीक्षण सुनना

..... दायां कान बायां

कान

5. ग्रंथियां थाइराइड

6. दांतों की हालत

7. प्रवसन तंत्र (रेस्पायरेटरी सिस्टम) — क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में से किसी असमानता का पता लगा है ? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यौरा दे।

8. परिमंचरण तंत्र (मर्क्युलेटरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक गति (आर्गेनिक लीजन) गति रेट) —

खड़े होने पर

25 बार कुशाप जाने पर

कुशाप जाने के दो मिनट बाद

(ख) ब्लड प्रेशर सिस्टोलिक

..... डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) घेरा रसायनमह्यता हनिया :—

(क) दबा कर मालूम पड़ना/लिवर

निम्नी गुर्दे

ट्यूमर

(ख) रक्तार्श

भगंदर

10. तांत्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक अक्षमता भगंदर का संकेत

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) की असमानता

12. जनन सूत्र तंत्र (जेनरी यूनिरबी सिस्टम) हाइड्रोमिल वरिफोमिल आदि का कोई संकेत।

सूत्र परीक्षा :—

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गुणत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) एलबूमन

(घ) शक्कर

(ङ) काम्ट

(च) कोशिकाएं (सेक्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिसमें वह इस सेवा की इष्टि की दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट :— महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि वह 12 महीने की अवस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उस अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15. (क) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा में दक्षतापूर्वक और निरन्तर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया।

(ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है ?

नोट :— बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए :—

(क) योग्य (फिट)

(ख) अयोग्य (अफिट) जिसका कारण

(ग) अस्थायी रूप से अयोग्य जिसका कारण

स्थान

तारीख

अध्यक्ष

सदस्य

सदस्य

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

RULES

New Delhi the 30th April 1994

No 11012/1/94 IES—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1994 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the Indian Economic Service are published for general information

2 The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes in respect of vacancies as may be fixed by the Government

3 The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission

4 A Candidate must be either —

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d), and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India

5 (a) A candidate for admission to this examination, must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on 1st January, 1994, i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1966 and not later than 1st January, 1973

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable —

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe,
- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May 1990 but before 22nd November, 1991,
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona-fide* repatriate of Indian origin from Kuwait or Iraq and has migrated to India from any of these countries after 15th May, 1990 but before 22nd November, 1991,
- (iv) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof,
- (v) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations

during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof and who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes,

- (vi) up to a maximum of five years in case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1994 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1994) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment,
- (vii) up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military service as on 1st January, 1994 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1994) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;
- (viii) up to a maximum of five years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1994 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issue a certificate that they can apply for Civil employment and they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment,
- (ix) up to a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1994 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issue a certificate that they can apply for Civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes

NOTE 1 The term ex-servicemen will apply to the persons who are defined as 'ex-servicemen' in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979 as amended from time to time

2 Candidates falling under rule 5(b) (ii) to 5(b) (ix), who do not belong to Scheduled Caste and Scheduled Tribe, are not eligible for age concession if they have already joined any Government job on civil side after availing of the age concession

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED

6 A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject from any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification

NOTE I—Candidates who have appeared at an examination, the passing of which would render them eligible to appear at this examination but have not been informed of the result may apply for admission to the examination. Candidates who intend to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce the proof of having passed the requisite

qualifying examination alongwith the detailed application which will be required to be submitted by the candidates who qualify on the results of the written part of the examination.

NOTE II—In exceptional cases the Union Public Service Commission may trial a candidate, who has not any of the foregoing qualification, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE III—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission with holding permission to the candidates' applying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission with regard to the acceptance of the application of a candidate and his eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including, obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

- (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva-voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination as well as interview and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to Other Backward Classes may, to the extent of reserved vacancies, be recommended by the Commission by going down the merit list subject to the fulfilment of the basis minimum standards prescribed by the Commission.

Provided that the candidates belonging to the Other Backward Classes recruited on the basis of merit as at Rule 13 (i) above shall not be adjusted against the vacancies reserved for Other Backward Classes.

(iii) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service/posts.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes recruited on the basis of merit as at Rule 13(i) above, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A

candidate who after such physical examination as Government or, the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

NOTE—In order to prevent disappointment, candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service.

17. No person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

18. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix-II.

S. NAYAK, Deputy Economic Adviser

APPENDIX I

Scheme of Examination

SECTION I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II—*Viva voce* of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

S. No.	Subject	Code No.	Maximum Marks	Time Allowed	%
1.	General English	01	150	3 Hrs.	
2.	General Studies	02	150	3 Hrs.	
3.	General Economics-I	11	200	3 Hrs.	
4.	General Economics-II	12	200	3 Hrs.	
5.	Indian Economics	13	200	3 Hrs.	

(NOTE—The details of standard and syllabi for the examination are given in Section II below.

3. The question papers in all the subjects will be of Conventional (essay) type.

4. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH. QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

8. Marks will not be allowed for mere superficial knowledge.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

10. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

11. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

12. Candidates should use only International Form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

13. *Viva Voce*—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examinations for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study but also in events which are happening around him both within and outside his own State or country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgement and alertness of mind, the ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capacity for leadership.

SECTION II

Standard & Syllabi

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics.

GENERAL ENGLISH (Code No. 01)

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and work unlike use of words. Passages will usually be set for summary or précis.

GENERAL STUDIES (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on Indian politics including the political system and the Constitution of India, History of India and Geography of a nature which a candidate should be able to answer without special study

GENERAL ECONOMICS—I (Code No. 11)

Theory of consumer's demand : Indifference curve analysis. Revealed preference approach.

Theory of production : Factors of production. Production function. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value : Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution : Pricing of factors of production. Theories of rent, wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare-economics : Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post Keynesian developments.

GENERAL ECONOMICS—II (Code No. 12)

Concept of economic growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning : Concept and methods. Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional Planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics : Theories of international trade, gains from trade Terms of trade. Trade policy, international trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments, disequilibrium in balance of payments, Mechanism of adjustments. Foreign trade, multiplier, Exchange rates Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reforms. GATT; International aid for economic growth. I.B.R.D. and its affiliates.

Money : Its value and functions Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical average and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

INDIAN ECONOMICS (Code No. 13)

Basic features of the Indian economy : Development strategy : Role of agriculture and industry; Role of foreign Trade, Concept of balanced growth.

Planning : Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture : New agricultural strategy; land relations and land reforms; rural credit, role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development. Subsidiary occupations and rural industries

Cooperation : Its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry : Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises; Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour : Employment, unemployment and under employment. Industrial relation and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and income policy.

Foreign Trade : Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking : Organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve Bank of India Monetary policy.

Public Finance Fiscal Policy; Growth of Public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing Union-State financial relations.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination.

1. Candidates selected for appointment will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment, Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for the Service to which the recruitment is being made are as follows :

Indian Economics Service

SAG -Eco. Adviser/Addl. Eco.
Adviser

Rs. 5900-200-6700

Grade I Director

Rs. 3700-125-4700-150

(Grade II since merged with

-5000

Grade-I)

Grade III-Deputy Director

Rs. 3000-100-3500-125-4500

Grade IV-Assst. Director

Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension etc. for officers of the Service will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services Group 'A'.

8. Conditions of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modification as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners].

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the board.

3. The candidate's height will be measured as follows:-

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels calve buttocks and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :-

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed, and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be Recorded.

(b) These shall no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected Vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9		
6/9	or		
	6/12	J-I	J-II

(d) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of Vision*.—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness*.—Broadly there are two types of night blindness. (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa in (1) the fundus is normal generally seen in younger age-group and ill-nourished persons and improves by large doses of Vit. A and (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-retinography is required to be done. Both these tests (dark adaption and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other visual acuity*.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint*.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as disqualification, if the visual acuity is of the prescribe standard.

(iii) *One eye*.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is emphyopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical

board may recommend as fit such person provided the normal eye has—

(i) 6/6 distant vision and 11 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye tests, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows—

(i) With young subjects 15—25 years of the age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 year of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. The 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conform to the

standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed.

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- | | |
|--|---|
| (1) Marked or total deafness in one ear or other ear being a normal; | Fit for non-technical jobs if the deafness is up to 30 decibel in higher frequency. |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is up to 30 decibel in speech frequency of 1000 to 4000. |
| (3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. | <p>(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.</p> <p>(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.</p> <p>(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.</p> |
| (4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides. | <p>(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical and non-technical jobs.</p> <p>(ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs if fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.</p> |

- | | |
|--|---|
| (5) Parastently/discharging ear operated/Unoperated | Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs. |
| (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal Septum. | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms Temporarily unfit. |
| (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx—Fit.
(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit. |
| (8) Benign or locally malignant tumours of the ENT | (i) Benign tumours—Temporarily Unfit.
(ii) Malignant Tumours—Unfit. |
| (9) Otosclerosis. | If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit. |
| (10) Congenital defects of ear, nose or throat. | (i) If not interfering with functions—Fit.
(ii) Stuttering of severe degree—Unfit. |
| (11) Nasal Poly | (ii) Temporarily Unfit. |

- (b) that his speech is without impediment;
- (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well-formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the

heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist / Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidate filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50/- in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, request for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and not travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a Physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidate appointed to the Indian Economic Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical)

a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum.

On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).....

2. State your age and birth place.

(a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower ? Answer 'yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small pox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease fainting attacks, rheumatism appendicitis

(b) Any other disease or accidental requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

4. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause ?

5. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living and State of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
--	--	---	--

1

2

3

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	--	---

1

2

6. Have you been examined by a Medical Board before ?

7. If answer to above is 'Yes' please state what Service/ Services, you were examined for

8. Who was the examining authority.....

9. When and where was the Medical Board held ?

10. Results of the Medical Board's examination. If communicated to you or if known.

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature

Signed in my presence.....

Signature of the Chairman of the Board

Note—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate)

1. General development : Goodfair

Poor.....

Nutrition : Thin Average Obese

Height (without shoes)(weight.....

Best Weight When ? any recent
change in weight ? Temperature

Girth of Chest :

- (1) (After full inspiration)
(2) (After full expiration)

2. Skin : Any obvious disease

3. Eyes :

- (1) Any disease
(2) Night blindness
(3) Defect in colour vision
(4) Field of vision
(5) Visual acuity
(6) Funds examination

Acuity of vision	Naked eye with glasses	Strength of glasses		
		Sph.	Cyl.	Axis
Distant Vision	R.E. L.E.			
Near Vision	R.E. L.E.			

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear
Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal
anything abnormal in the respiratory organs ?
If yes, explain fully

8. Circulatory System :

- (a) Heart Any organic lesion ? Rate
Standing
After hopping 25 times
2 minutes after hopping
(b) Blood Pressure : Systolic Diastolic

9. Abdomen : Girth Tenderness
Hernia

- (a) Palpable : Liver Spleen
Kidneys Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental
disabilities

11. Loco Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele,
varicocele, etc.

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance
(b) Sp. Gr.
(c) Albumen
(d) Sugar
(e) Casts
(f) Cell

13. Report of Screening /X-ray Examination of Chest ..
.....

14. Is there anything in the health of the candidate likely
to render him unfit for the efficient discharge of his duties in
the service for which he is a candidate ?

Note : In case of a female candidate, if it is found that
she is pregnant of 12 weeks standing or over, she
should be declared temporarily unfit, vide regu-
lation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respect for the
efficient and continuous discharge of his duties in
the Indian Economic Service ?

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

Note : The Board should record their findings under one of
the following three categories :

- (i) Fit
(ii) Unfit on account of
(iii) Temporary unfit on account of

Chairman

Place

Date

Member

Member